<u>संदेश</u>

भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता, महान समाज सुधारक बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयन्ती के अवसर पर मैं उन्हें सादर नमन करती हूं।

बाबासाहब आंबेडकर विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, प्रखर चिंतक, न्यायविद और समतामूलक समाज व्यवस्था के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनके हित में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने न केवल असमानताओं को दूर करने का मार्ग दिखाया, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों को सुदृढ़ करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। बाबासाहब ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दी। उनका बहुआयामी योगदान भावी पीढ़ियों को देश की सेवा और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

आइए, इस अवसर पर हम बाबासाहब आंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें

और एक न्यायपूर्ण, समावेशी तथा प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दें।

****